यूनेस्को का चोरी हुई सांस्कृतिक वस्तुओं का नया आभासी संग्रहालय

संदर्भ / समाचार में क्यों:

यूनेस्को ने हाल ही में बार्सिलोना में **MONDIACULT 2025 सम्मेलन** में चोरी हुई सांस्कृतिक वस्तुओं का **आभासी संग्रहालय** लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य **चोरी हुई सांस्कृतिक विरासत का दस्तावेजीकरण, अवैध तस्करी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से समुदायों को खोई हुई धरोहरों से जोड़ना** है।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

नवीन अवधारणा और डिजिटल डिज़ाइन

- यह संग्रहालय **प्रित्ज़कर पुरस्कार विजेता वास्तुकार फ्रांसिस केरे** द्वारा डिज़ाइन किया गया है, और इसकी संरचना **बाओबाब वृक्ष** से प्रेरित है, जो अफ्रीकी संस्कृति में **मजबूती और स्थिरता** का प्रतीक है।
- संग्रहालय**46 देशों से 240 से अधिक चोरी हुई कलाकृतियों** को डिजिटल रूप से पुनर्निर्मित करने के लिए **AI, 3D मॉडलिंग और आभासी वास्तविकता** का उपयोग करता है।
- **इंटरैक्टिव अनुभागों** में शामिल हैं:
  - **चोरी हुई सांस्कृतिक वस्तुओं की गैलरी:** चोरी हुई वस्तुओं का डिजिटल पुनर्निर्माण।
  - **सभागार:** चर्चाएँ, विशेषज्ञ वार्ताएँ औरप्रदर्शनियाँ।
  - **वापसी और प्रतिपूर्ति कक्ष:** सफल प्रत्यावर्तन मामलों और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है।

संग्रह और विशिष्ट भारतीय कलाकृतियाँ

1. **महादेव मंदिर की मूर्तियाँ, पाली, छत्तीसगढ़ (9वीं शताब्दी)**
   - **नटराज मूर्ति:** शिव को उनके ब्रह्मांडीय नृत्य में दर्शाती है, जो अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। उनका बैल वाहन नंदी ऊपर की ओर देखता है, जो शिव की रक्षक और संहारक के रूप में भूमिका को दर्शाता है।
   - **ब्रह्ममूर्ति:** सृजन, ज्ञान और स्पष्टता का प्रतीक, ललितासन में बैठी हुई, चार भुजाओं में माला और वेद जैसे पवित्र प्रतीक धारण किए हुए। नटराज के साथ यह हिंदू दर्शन के सृजन और प्रलय के संतुलन को दर्शाती है।

2. **तोता महिला मूर्ति (12वीं शताब्दी)**
    - इसमें एक महिला को तोता पकड़े हुए दर्शाया गया है। मूल रूप से भारत से बाहर ले जाई गई इस मूर्ति को2015 में कनाडा से स्वदेश लाया गया, 1970 के यूनेस्को सम्मेलन के तहत।
- ये कलाकृतियाँ **भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत** और **समुदायों पर अवैध तस्करी के नकारात्मक प्रभाव** को उजागर करती हैं।

आभासी प्रत्यावर्तन का महत्व

- यूनेस्को का लक्ष्य **भौतिक कलाकृतियों को उनके मूल देशों में वापस भेजकर संग्रहालय को धीरे-धीरे खाली करना** है।
- **डिजिटल प्रत्यावर्तन** सांस्कृतिक क्षति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ **तार्किक और परिवहन संबंधी चुनौतियों** का समाधान करता है।
- यह सरकारों, संग्रहालयों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और नागरिक समाज के बीच **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग** का मंच प्रदान करता है।
- सांस्कृतिक विरासत के **स्वामित्व, पुनर्स्थापन और नैतिक संरक्षण** पर भी चर्चा को प्रोत्साहित करता है।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

यूनेस्को की विकसित होती भूमिका

- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्कूलों, पुस्तकालयों और संग्रहालयों के जीर्णोद्धार के लिए 1945 में स्थापित, यूनेस्को का अब उद्देश्य **विरासत की सुरक्षा और वैश्विक स्तर पर शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति को बढ़ावा देना** भी है।
- यह अवैध तस्करी को रोकने के लिए **194 सदस्य देशों, INTERPOL और नागरिक समाज** के साथ सहयोग करता है।
- इस परियोजना को **सऊदी अरब साम्राज्य** द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

निष्कर्ष

चोरी हुई सांस्कृतिक वस्तुओं का **आभासी संग्रहालय** सांस्कृतिक संरक्षण में एक मील का पत्थर है, जो **प्रौद्योगिकी, शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग** का सम्मिश्रण प्रस्तुत करता है। चोरी हुई कलाकृतियों के साथ समुदायों को डिजिटल रूप से जोड़कर, यूनेस्को **पुनर्स्थापन को सुगम बनाता है, संवाद को बढ़ावा देता है और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करता है**, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विरासत **भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रहे**।

IAS-PCS Institute

Result Mitra

रिजल्ट का साथी

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806